15

असाम्प्रदायिक मसीहियतः

बाइबल में ''बपतिस्मा''

''बपतिस्मा'' शब्द के अध्ययन में हमने सीखा है कि यह हमारे उद्धारकर्ता द्वारा इस्तेमाल किए गए यूनानी शब्द का अनुवाद नहीं, बल्कि अनुवाद किए बिना हिन्दी या अंग्रेज़ी भाषा में डाला गया वही शब्द है। विद्वानों ने इस शब्द के साथ ऐसा व्यवहार क्यों किया, यह केवल परमेश्वर ही बता सकता है। निश्चित रूप से, अनुवाद करने में असफलता इस शब्द के ज्ञान का अभाव नहीं है।

शायद बाइबल के प्रारम्भिक अंग्रेज़ी अनुवाद से असफलता की कहानी सुनना दिलचस्प हो सकता है। इस यूनानी शब्द के लिए अनुवादकों ने हमें कोई सरल सा अंग्रेज़ी या हिन्दी शब्द क्यों नहीं दिया? मुझे लगता है कि मनुष्य के मन की सारी गुप्त बातें और उनके कामों के कारणों को उसके हाथ से जो सबके मन को जानता है ''दीवार पर'' लिख दिया जाए, तो हमें समझ आएगी कि इतने वर्षों से संसार में साम्प्रदायिकवाद को बनाए रखने के लिए हम पर यह यूनानी–अंग्रेज़ी शब्द थोपा गया है। ज़रा सोचें: इस शब्द का अनुवाद मिल जाने पर, हमें यह इस प्रकार पढ़ने को मिलेगा:

> जो विश्वास करे और डुबकी या गोता लगाए या जलमगन हो या पानी से ढांपा जाए उसी का उद्धार होगा।
>
> अब क्यों देर करता है? उठ, डुबकी लगा या गोता लगा या जलमगन हो या पानी से ढांपा जा और उसका नाम लेकर पापों को धो डाल।
>
> इसलिए तुम जाकर सब जातियों के लोगों को चेला बनाओ और उन्हें पिता और पुत्र और पवित्र आत्मा के नाम में डुबकी दो या गोता दो या जलमगन करो या पानी से ढांपो।
>
> मन फिराओ, और तुम में से हर एक अपने–अपने पापों की क्षमा के लिए यीशु मसीह के नाम में डुबकी ले या गोता लगाए या जलमगन हो या पानी से ढांपा जाए।

मेरे परमेश्वर, इससे तो बपतिस्मे के लिए ''छिड़काव'' और ''उंडेलने'' को विकल्प

बनाने वाली सब शिक्षाओं का भेद ही खुल जाता है! उन शिक्षाओं का बचाव कैसे हो सकता है? ज़्या इसीलिए इस शज़्द का अनुवाद नहीं किया गया था? ज़्या छिड़काव या उंडेलने की शिक्षा मानने वाले संसार की प्रसिद्ध और बड़ी शिक्षाओं और रीतियों के बचाव के लिए इसका अनुवाद नहीं किया गया? ईमानदारी से इसका जवाब दें।

तो भी, परमेश्वर इन्सान से अधिक सामर्थी और समझदार है। वे उससे हर दौड़ में पीछे हैं अर्थात उसने उन्हें हर युद्ध में हरा दिया है। बेशक वे हमें हमारे उद्धारकर्ज़ा द्वारा इस्तेमाल किए इस शज़्द का एक भी अनुवाद उपलज़्ध नहीं करा पाए हैं, परन्तु परमेश्वर इसका अर्थ इतना स्पष्ट करने से नहीं चूका है कि इसे पढ़ने वाला हर कोई इसे समझ सके। परमेश्वर का धन्यवाद हो कि प्रभु तक ले जाने वाला कोई भी कदम एक शज़्द के अर्थ पर निर्भर नहीं है। यीशु तक जाने वाला जीवन का राजमार्ग अलग-अलग तरह से समतल किया गया है, ताकि मनुष्य के लिए कोई बहाना न रहे। यदि हम में उसकी इच्छा को जानने की चाह है तो हम अवश्य जान सकते हैं।

अब मान लीजिए कि हमें इस विशेष तथ्य का पता नहीं है कि ''बपतिस्मा'' एक यूनानी शज़्द है। मान लीजिए कि हमने कभी यूनानी भाषा नहीं सुनी और हमें पता नहीं था कि यीशु हिन्दी या अंग्रेज़ी के सिवाय कोई दूसरी भाषा बोलता था: तो ज़्या हम इस शज़्द का अर्थ सीखकर यह समझ सकते थे कि बपतिस्मा लेने के लिए हमें ज़्या करना चाहिए। ज़्या नये नियम को हिन्दी भाषा में पढ़कर हमें पता चल सकता था कि आज्ञा मानना ज़्या है? बेशक चल सकता था। स्वर्ग की ओर से बपतिस्मा देने के लिए सबसे पहले यूहन्ना बपतिस्मा देने वाले को भेजा गया था। यह भी सज़्भव है कि उसने सबसे अधिक बपतिस्मे दिए हों। सैकड़ों लोगों को सबसे पहले बपतिस्मा देने का काम ऐतिहासिक यरदन नदी में ही हुआ था। वास्तव में, बहुत से लोगों ने ''अपने-अपने पापों को मानकर यरदन नदी में उससे बपतिस्मा लिया'' था (मज़ी 3:6)। यह भी लिखा है कि ''उन दिनों यीशु ने गलील के नासरत से आकर, यरदन में [*eis;* 'into'] यूहन्ना से बपतिस्मा लिया। और जब वह पानी से निकलकर ऊपर आया, तो तुरन्त उस ने आकाश को खुलते और आत्मा को कबूतर की नाईं अपने ऊपर आते देखा'' (मरकुस 1:9, 10)। फिर तो, इसमें कोई संदेह नहीं कि बपतिस्मा सबसे पहले ''एक नदी में'' ही दिया जाता था अर्थात लोगों को नदी में (*eis*) बपतिस्मा दिया जाता था। यीशु पानी से बाहर आया। साफ मन वाला व्यज़्ति ही यह फैसला करे कि ये तथ्य ''छिड़काव'' ''उंडेलने,'' या ''डुबकी'' में से किससे मेल खाते हैं। ये तथ्य किससे मेल खाते हो सकते हैं? परमेश्वर आपसे फैसला करने को कहता है। परमेश्वर ने आपके लिए तस्वीरें खींच दी हैं ताकि आपको पता चल जाए कि उसकी आज्ञा कैसे माननी है।

एक और उदाहरण पर विचार करते हैं:

> तब फिलिप्पुस ने अपना मुंह खोला, और इसी शास्त्र से आरज़्भ करके उसे यीशु का सुसमाचार सुनाया। मार्ग में चलते-चलते वे किसी जल की जगह पहुंचे, तब खोजे ने कहा, देख यहां जल है, अब मुझे बपतिस्मा लेने में ज़्या रोक है।

> फिलिप्पुस ने कहा, यदि तू सारे मन से विश्वास करता है तो हो सकता है: उस ने उज़र दिया मैं विश्वास करता हूं कि यीशु मसीह परमेश्वर का पुत्र है। तब उस ने रथ खड़ा करने की आज्ञा दी, और फिलिप्पुस और खोजा दोनों जल में उतर पड़े, और उस ने उसे बपतिस्मा दिया (प्रेरितों 8:35-38)।

यह एक उजाड़ मार्ग पर जा रहे दो लोगों की कहानी है। वहां होने वाली बातों से हमारा ध्यान बंटाने के लिए लोगों की भीड़ नहीं थी। प्रचारक जो पूरी तरह कर्ज़व्यनिष्ठ था, ने अपने साथी को यीशु के बारे में बताया। मार्ग पर चलते-चलते, प्रचारक को नहीं, बल्कि सुनने वाले को एक जगह पानी दिखाई दिया। हम जिसे रूखा ढंग कह सकते हैं, उसने उसी लहज़े में प्रचारक को रोका और यह कहते हुए उसका ध्यान पानी की ओर दिलाया जिससे उसे बपतिस्मा दिया जा सके। रथ रुकवाकर वे दोनों रथ से उतरकर ''पानी में'' गए। ईमानदारी से किसी को इस तस्वीर में ''छिड़काव'' या ''उंडेलने'' को कहां दिखाई देता है? ज़्या पवित्र आत्मा की अगुआई में होने वाली इस घटना को देखकर परमेश्वर की इच्छा को पूरा करने वाला व्यज़्ति ''उंडेलने'' या ''छिड़काव'' से संतुष्ट हो सकता है?

आइए परमेश्वर के पवित्र आत्मा द्वारा दी गई बपतिस्मे की और तस्वीरों की समीक्षा करके देखते हैं:

> ज़्या तुम नहीं जानते, कि हम जितनों ने मसीह यीशु का बपतिस्मा लिया [baptized into Christ Jesus], तो उस की मृत्यु का बपतिस्मा लिया [baptized into his death]? सो उसकी मृत्यु का बपतिस्मा [baptism into his death] पाने से हम उसके साथ गाड़े गए ... (रोमियों 6:3, 4)।

> और उसी के साथ बपतिस्मा में गाड़े गए, और उसी में परमेश्वर की शज़्ति पर विश्वास करके, जिस ने उस को मरे हुओं में से जिलाया, उसके साथ जी भी उठे (कुलुस्सियों 2:12)।

> तो आओ; हम सच्चे मन, और पूरे विश्वास के साथ, और विवेक का दोष दूर करने के लिए हृदय पर छिड़काव लेकर, और देह को शुद्ध जल से धुलवाकर परमेश्वर के समीप जाएं (इब्रानियों 10:22)।

पौलुस ने कहा कि वह और रोम की कलीसिया के सब लोग बपतिस्मे के द्वारा ''गाड़े गए'' थे। कुलुस्से के मसीहियों को भी उसने बताया कि वे बपतिस्मे में ''गाड़े गए'' थे। मैथोडिस्ट चर्च के संस्थापक जॉन वैस्ली का कहना था, कि पौलुस रोमियों की पत्री से इस आयत में ''डुबकी से बपतिस्मे के प्राचीन ढंग'' की बात कर रहा था। इब्रानियों की पुस्तक के लेखक ने बपतिस्मे को धोने के रूप में दिखाया है।

आइए नये नियम के बपतिस्मे से जुड़े इन तथ्यों की गंभीरता से समीक्षा और उन पर विचार करें:

1. पहले पहल बपतिस्मा एक नदी में दिया जाता था।
2. यीशु का बपतिस्मा यरदन नदी में हुआ था।
3. बपतिस्मा लेने के बाद यीशु पानी से निकलकर बाहर आया था।
4. फिलिप्पुस और खोजा पानी में उतरे थे।
5. खोजे को पानी में बपतिस्मा दिया गया था।
6. बपतिस्मे के बाद फिलिप्पुस और खोजा दोनों पानी से बाहर आए थे।
7. पौलुस ने कहा था कि रोम की सारी कलीसिया और कुलुस्से की मण्डली सहित स्वयं वह भी बपतिस्मे के द्वारा, से, या में गाड़ा गया था।
8. सभी इब्रानी भाइयों के शुद्ध जल से अपनी देहों को धोने की बात कही गई है।

किसी को यूनानी भाषा आती हो या नहीं परन्तु ईमानदारी से किसी को भी नये नियम के प्रचारकों तथा उपदेशकों की बात समझना कठिन नहीं है कि वे लोगों को बपतिस्मा कैसे देते थे। याद रखें कि तेरह सौ वर्षों तक दुनिया भर में बपतिस्मा डुबकी से ही दिया जाता था; बपतिस्मा देने के किसी अन्य ढंग को नहीं माना जाता था। एक हज़ार से अधिक वर्ष तक मसीही जगत बपतिस्मे के कार्य पर एकमत था, इसलिए अवश्य ही इसे बदलने के लिए कोई ज़िम्मेदार है। निश्चय ही हज़ार वर्ष तक सारे संसार को बपतिस्मे के अर्थ के बारे में कोई गलतफहमी नहीं थी; निश्चय ही परमेश्वर की प्रेरणा प्राप्त लोगों को इस आज्ञा को मानने के लिए अगुआई मिली थी। यह मामला मैं ईमानदारी से फैसला लेने वालों पर छोड़ देता हूं। ज़्या हम इस विवादास्पद प्रश्न पर एक हो सकते हैं? यीशु की यह बिनती है, पवित्र आत्मा का आग्रह है और प्रेरितों के काल में दी गई शिक्षा इसकी मांग करती है। ज़्या हम सच्चाई की समीक्षा करके यीशु की खातिर इसे स्वीकार करेंगे?